

Childhood and growing up

Course - I, Unit - III

Importance of Heredity and Environment for education of children as well as for teachers.

आनुवंशिकता तथा वातावरण का बालकों की शिक्षा एवं शिक्षकों के लिए महत्व —

बालकों की शिक्षा में आनुवंशिकता (Heredity) तथा वातावरण दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चों की शिक्षा का मुख्य उद्देश्य उनके व्यक्तित्व का संतुलित विकास करना है। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों में शारीरिक, मानसिक,

सांकेतिक, नैतिक तथा चारित्रिक विकास करना है। इन उद्देश्यों को पूरा करने में दोनो कारकों (आनुवंशिकता तथा वातावरण) का योगदान है। अगर बालक की आनुवंशिकता काफी अच्छी है, परन्तु उसे अच्छा वातावरण नहीं मिल पाया तो उसका शैक्षिक विकास ठीक ढंग से नहीं हो पाएगा। साथ ही यह बात भी उतनी ही सही है कि बालक आनुवंशिकता के दृष्टिकोण से पिछड़ा हुआ है, परन्तु उसे यदि एक अच्छे वातावरण, जैसे अच्छे स्कूल में ही शिक्षा दी जाए तो बुलनात्मक दृष्टिकोण से उसका विकास भी उतना अच्छा नहीं होगा।

शिक्षकों के लिए भी वंशानुक्रम तथा वातावरण का काफी महत्व है। जागरूक एवं अच्छे शिक्षकों के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वे बालकों की आनुवंशिकता एवं अन्य जैविक गुणों (biological traits) से परिचित हो जाएं तथा उनके घर, परिवार एवं सामाजिक वातावरण, जिसमें वे रहते हैं; उससे अच्छी तरह अवगत हो जाएं। उससे बालकों के बौद्धिक विकास, समायोजन (Adjustment) तथा अनुशासन सम्बंधी समस्याओं को शिक्षक खुद हल कर सकने में समर्थ हो जाएंगे। उदाहरण— एक बालक स्कूल में इसलिए दुर्ब्यवहार कर सकता है क्योंकि उसमें एक असामान्य श्रंखीय अवस्था हो सकता है या वह इसलिए

भी ~~बुरा~~ दुर्व्यवहार (misbehare) कर सकता है क्योंकि वह एक ऐसे परिवार से आता है जहाँ अच्छा व्यवहार करना कभी सिखाया ही नहीं गया हो। कक्षा में बालक कुछ इसलिए भी नहीं सीख पा रहे हो क्योंकि ~~उसके~~ उसे उचित पोषण नहीं मिल पा रहा हो या उचित प्रकार से सीखने की प्रेरणा नहीं मिल पा रही हो। यदि शिक्षक को बालक की आनुवंशिकता एवं जैविक पृष्ठभूमि का ज्ञान हो तथा साथ ही साथ यदि वह पारिवारिक एवं सामाजिक वातावरण से अच्छी तरह से परिचित हो, तो इसमें वह स्वयं ही विद्यार्थियों की कई समस्याओं का समाधान आसानी से कर लेगा।